क्रांति दिवस मेला

चर्चा में क्यों?

23 अप्रैल, 2022 को उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने पौड़ी ज़िले के पीठसैंण क्षेत्र के मासौ चोपड़ाकोट में क्रांति दिवस मेले में शिरकत की।

प्रमुख बिंदु

- मुख्यमंत्री ने पेशावर कांड के महानायक वीर चंद्र सिंह गढ़वाली की स्मृति में मनाए जाने वाले क्रांति दिवस मेले को प्रतिवर्ष राजकीय मेले के रूप में मनाए जाने की घोषणा की।
- गौरतलब है कि सविनय अवज्ञा आंदोलन के दौरान 23 अप्रैल, 1930 को ब्रिटिश रॉयल गढ़वाल राइफल के हवलदार मेजर वीर चंद्र सिंह गढ़वाली ने ब्रिटिश हुकूमत के निहत्थे पठानों पर गोली चलाने के निर्देशों को मानने से इनकार कर दिया था।
- आज्ञा न मानने के कारण इन गढ़वाली सैनिकों पर मुकदमा चलाया गया, जिसकी पैरवी मुकुंदी लाल द्वारा चलाई गई थी।
- मुकदमे के पश्चात् 1930 में चंद्र सिंह गढ़वाली को 14 साल के कारावास के लिये ऐबटाबाद की ज़ेल में भेज दिया गया, किंतु बाद में इनकी सज़ा कम कर 11 वर्ष के कारावास के बाद इन्हें 26 सितंबर, 1941 को रिहा कर दिया गया।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/kranti-diwas-mela